>

Title: Need to construct a ring road near Gir National Park in Gujarat.

श्री नारनभाई काछड़िया (अमरेली): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि आज पूरे देश में शेरों का अस्तित्व अब केवल अफ्रीका एवं गुजरात राज्य तक ही सीमित हो गया है। जो कि गुजरात राज्य के दक्षिणी सौराष्ट्र के बृहद् गीर वन्य क्षेत्र में संरक्षित प्राणी है। गीर राष्ट्रीय पार्क एंव अभयारण्य लगभग 1412.13 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां छः राजकीय राजमार्ग एवं कुछ अन्य छोटे सड़क मार्ग इस राष्ट्रीय पार्क एवं अभयारण्य के मध्य से निकलते हैं, जिसे ज्यादातर स्थानीय निवासियों द्वारा प्रयोग में लाया जाता है। जिसके चलते गीर वन्य क्षेत्र में रहने वाले जानवरों के प्राकृतिक तौर पर विचरण करने में बाधा उत्पन्न होती है तथा उनके शिकार होने का भी निरन्तर खतरा बना रहता है।

उपरोक्त खतरे को ध्यान में रखते हुए गीर वन्य संरक्षित क्षेत्र के आसपास एक रिंग रोड के निर्माण की योजना प्रस्तावित की गई थी, जिसकी लागत लगभग 600 करोड़ रुपये एवं लम्बाई लगभग 269 किलोमीटर प्रस्तावित थी। उपरोक्त परियोजना का प्रस्ताव गुजरात सरकार द्वारा राज्य वन्य जीव बोर्ड को अनुमोदित कराकर केन्द्र सरकार के पास जुलाई 2011 में भेजा गया था। मैं आपके संज्ञान में लाना चाहूंगा कि गुजरात सरकार ने अफ्रीकी शेरों को अस्तित्व को बचाने हेतु कई नये कदम उठाये हैं और वह सफल भी हुए हैं। जिसके परिणामस्वरूप भारत में शेरों की संख्या में आशातीत वृद्धि हुई है। इसी तर्ज पर गुजरात सरकार द्वारा उठाये जा रहे प्रयासों को सफल बनाने की दिशा में केन्द्र सरकार को भरसक मदद करनी चाहिए।

अतः मैं सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि वह गुजरात के गीर वन्य संरक्षित क्षेत्र के शेरों के अस्तित्व को बचाने हुते इस नेशनल पार्क/अभयारण्य के आसपास एक रिंग रोड का निर्माण करने हेतु दिशा निर्देश जारी करे, जिससे भारत में शेरों के अस्तित्व को संरक्षित किया जा सके।